भारत सरकार

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 433

दिनांक 08 **दिसम्बर**, 2022

आयातित कच्चा तेल

†433. **श्रीमती अपरुपा पोद्दार** :

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस **मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) क्या सरकार ने देश की आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता को कम करने के लिए कोई रूपरेखा तैयार की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए क्या कार्य योजना और समय-सीमा निर्धारित की गई है;

(ग) ऑयल इंडिया, ओएनजीसी आदि जैसी कंम्पनियों द्वारा स्वदेशी कच्चे तेल की खोज और उत्पादन में पर्याप्त वृद्धि करने के लिए क्या कदम उठाए गए है;

(घ) सरकार द्वारा गत पांच वर्षों के दौरान इस संबंध में देश-वार और वर्षवार कितनी मात्रा में कच्चे तेल का आयात किया गया और इस पर कितना व्यय किया गया;

(ड.) गत पांच वर्षों के दौरान देश की घरेलू आवश्यकता का वर्ष-वार कितना हिस्सा आयातित कच्चे तेल द्वारा पूरा किया गया है; और

(च) देश की कच्चे तेल की आवश्यकता को स्वदेशी स्रोतों से पूर्ण रूप से कब तक पूरा कर लिए जाने की संभावना है?

उत्तर

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री

(**श्री रामेश्वर तेली**)

(क) से (च) जी हां, सरकार ने देश की आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने के लिए पांच सूत्री रणनीति अपनाई है जिनमें तेल और गैस का घरेलू उत्पादन बढ़ाना, ऊर्जा दक्षता एवं संरक्षण उपायों को प्रोत्साहित करना, मांग प्रतिस्थापन पर जोर देना, जैवईंधनों एवं अन्य वैकल्पिक ईंधनों/नवीकरणीय को प्रोत्साहित करना एवं रिफाइनरी प्रक्रिया संवर्धन शामिल है।

सरकार ने घरेलू कच्चे तेल का उत्पादन बढ़ाने और आयात में कमी लाने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें, अन्य बातों के साथ-साथ, खोजे गए लघु क्षेत्र नीति, तेल और गैस का घरेलू अन्वेषण एवं उत्पादन को बढ़ाने के लिए हाइड्रो कार्बन अन्वेषण और लाइसेंसिंग नीति-2019, प्राकृतिक गैस विपणन सुधार-2020, तेल और गैस के लिए वर्धित निकासी पद्धतियों को बढ़ावा देने तथा प्रोत्साहित करने के लिए नीति, मौजूदा परिपक्व क्षेत्रों का पुनर्विकास एवं नए/सीमान्त क्षेत्रों का विकास, रुग्ण कूपों का पुनरुत्थान, उन्नत तेल निकासी (आईओआर) और वर्धित तेल निकासी (ईओआर) तकनीकों के कार्यान्वयन के माध्यम से निकासी घटकों में सुधार, आदि शामिल हैं। सरकार ने राष्ीय तेल कम्पनियों को कार्यात्मक स्वतंत्रता प्रदान की है और इलेक्ट्रॉनिक एकल पटल तंत्र के माध्यम से संस्वीकृति प्रक्रियाओं को व्यवस्थित करके निजी क्षेत्र की व्यापक भागीदारी प्रोत्साहित की है।

देश मध्य-पूर्व, अ ीका, यूरोप, उत्तर अमेरिका, द क्षण अमेरिका और द ि ण-पूर्व एशिया के देशों सहित विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों से तेल और गैस के आयात करता है। पिछले पांच वर्षों के दौरान कच्चे तेल का वर्ष-वार आयात और देश की घरेलू आवश्यकता पर इसकी निर्भरता नि नलि खत है-

वर्ष	**कच्चे तेल के आयात की मात्रा** (**एमएमटी में**)	**कच्चे तेल के आयात का मूल्य** (**करोड़ रुपए में**)	**कच्चे तेल की आयात निर्भरता** (% **में**)
2017-18	220.4	566450	82.9
2018-19	226.5	783183	83.8
2019-20	227.0	717001	85.0
2020-21	196.5	459779	84.4
2021-22	212.4	901262	85.6

सरकार पहले ही स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने से पूर्व भारत को ऊर्जा निर्भर बनाने के लिए संकल्पित है।

****